- बिहार पर्यटन द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन प्रदर्शनियों में भाग लिया गया एवं इन आयोजनों में आवंटित स्टॉल के लिए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी के माध्यम से बिहार पर्यटन का ब्रांडिंग की गई।
- वर्ल्ड ट्रेवल मार्केट, लंदन जो कि विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन प्रदर्शनियों में से एक है, उसमें बिहार पर्यटन द्वारा भाग लिया गया। बिहार पर्यटन के स्टॉल पर विभिन्न देशों के लोगों तथा ख्याति प्राप्त टूर ऑपरेटरों के द्वारा बिहार के विषय में जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही कई देशों की महत्वपूर्ण एयरलाइन्स के द्वारा बिहार में सीधे बोधगया के लिए उड़ान सेवाएं उपलब्ध कराने एवं संबंधित बौद्ध सर्किटों के लिए पैकेज टूर बनाने में रूचि दिखाई गई।
- बिहार राज्य के अंतर्गत 15 स्थानों पर सरकार द्वारा संचालित पर्यटक सूचना केंद्रों की स्थापना की गई। साथ ही, पर्यटन विभाग द्वारा नई दिल्ली, कोलकाता, वाराणसी एवं मुम्बई में बिहार के बाहर पर्यटक सूचना केंद्रों की स्थापना की गई।
- वर्तमान में राज्य भर में 16 एवं बिहार के बाहर 3 (नई दिल्ली, कोलकाता एवं वाराणसी) 'पर्यटक सूचना केंद्र' का संचालन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

वर्ष 2017-18 में विभाग द्वारा कुल 10 योजनाओं को पूर्ण किया गया

- गया जिलान्तर्गत बोधगया के धर्मारण्य वेदी में पर्यटकीय संरचनाओं का विकास, पर्वत पुरुष दशरथ मांझी के मूर्ति की स्थापना।
- पटना जिलान्तर्गत मनेर शरीफ, पटना के पास गेट का निर्माण, मनेर शरीफ, पटना के बड़ी दरगाह के निकट शौचालय एवं चहारदीवारी का निर्माण, प्रसाद योजना अंतर्गत कंगन घाट, पटना साहिब का विकास, सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण।
- मधुबनी जिलान्तर्गत उच्चैठ काली मंदिर, बेनीपट्टी में पर्यटकीय सुविधाओं का विकास।
- दरभंगा जिलान्तर्गत उदाकिशुनगंज के नयानगर में भगवती स्थल का विकास।
- पूर्णिया जिलान्तर्गत पूरणदेवी मंदिर के पास पर्यटकीय सुविधाओं का निर्माण।
- सारण जिलान्तर्गत सोनपुर अवस्थित काली मंदिर का विकास एवं सौन्दर्यीकरण।
- 34वीं कालचक्र पूजा का दिनांक 3 जनवरी, 2017 से 14 जनवरी, 2017 तक सफल आयोजन किया गया जिसमें पावन श्री दलाईलामा की अगुवाई में लाखों की संख्या में देश-विदेश से आए लोगों ने कालचक्र पूजा में हिस्सा लिया।
- श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाशपर्व (03-05 जनवरी, 2017) का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। इसमें आने के लिए देश के विभिन्न 07 शहरों में आमंत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

  इस आयोजन पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कंगन घाट में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण, गुरु का बाग (गायघाट), श्री हांडी साहिब, तख्त श्री हरिमंदिर जी साहिब में प्रकाश का कार्य, कंगन घाट, पटना साहिब का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, गुरु का बाग का सौन्दर्यीकरण, पटना साहिब एवं राजेन्द्र नगर स्टेशन पर पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण, पटना में हाईमास्ट लाईट का निर्माण, पटना में स्ट्रीट लाईटिंग का अधिष्ठापन, बाललीला से कंगनघाट तक रोड का निर्माण आदि कार्य कराये गये।

  उक्त के अतिरिक्त गुरुद्वारा एवं रोड पर सीसीटीवी का अधिष्ठापन, वाईफाई सिस्टम का अधिष्ठापन, पटना में लेजर लाईट एण्ड साउण्ड शो के उपकरण का अधिष्ठापन एवं शो का आयोजन, टेंट सिटी का निर्माण, मोबाईल एप का निर्माण आदि कार्य भी किया गया। प्रकाशपर्व की सफल मेजबानी करने पर बिहार पर्यटन ब्राण्ड के रूप में उभरा है।
- 11-13 जनवरी, 2019 तक श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के 352वें प्रकाश गुरुपर्व समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कंगनघाट में 5000 श्रद्धालुओं के ठहरने के क्षमता वाला टेंट सिटी का निर्माण किया गया। निर्माण किये जाने वाले टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के सुविधा हेतु कम्बल, गर्म पानी, हीटर, शुद्ध पेयजल, शौचालय आदि की सुविधा प्रदान की गयी। इस अवसर पर टेंट सिटी के अलावे लंगर हॉल, कन्ट्रोल रुम, रिसेप्शन आदि का निर्माण किया गया।
- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी शताब्दी समारोह के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह से जुड़े स्थलों को एक परिपथ के रूप में विकसित करने, बड़हरवा लखनसेन, भितिहरवा, पटना विद्यापीठ इत्यादि को दर्शनीय स्थल बनाने, चम्पारण सत्याग्रह "लोगो" (Logo) एवं प्रचार-प्रसार सामग्री के निर्माण, गांधी जी से जुड़े स्थलों पर लेजर शो, सायनेज एवं शिलापट्ट लगाने का कार्य किया गया।
- पितृपक्ष मेला (गया) के अवसर पर पर्यटन निगम द्वारा संचालित पैकेज टूर में देश के किसी भी हिस्से से पर्यटकों को ऑनलाईन बुकिंग या सीधे कार्यालय से अपना आरक्षण कराने की सुविधा प्रदान की गई।
- विश्व पर्यटन दिवस एवं पर्यटन पर्व 2018 का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार के विरासत से संबंधित पर्यटन स्थलों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। गोलघर (पटना), पाण्डूपोखर (राजगीर) में योगा कार्यक्रम तथा बुद्धा स्मृति पार्क (पटना) में मेडिटेशन का कार्यक्रम रखा गया। महाबोधि मंदिर (बोधगया) में पर्यटकों के लिए निःशुल्क लेजर एंड लाईट शो का आयोजन किया गया।
- 1-3 फरवरी 2018 तक बौद्ध महोत्सव के आयोजन अवसर पर श्रीलंका, वियतनाम, म्यांमार लाओस एवं थाईलैंड के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों में प्रमुख श्री जावेद अली, श्री के.के. द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। इसमें हेरिटेज वॉक/एडवेंचर्स स्पोर्ट्स/महिला महोत्सव एवं हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।
- वित्तीय वर्ष 2018-19 में प्रधानमंत्री विशेष पैकेज के प्रसाद योजना अन्तर्गत पटना साहिब के विकास हेतु एक वृहत योजना 30.98 करोड़ रूपये की लागत से पूर्ण की गयी।

- बोधगया में कल्चरल सेंटर का निर्माण 145.14 करोड़ रूपये की स्वीकृत राशि से कराया गया।
- वित्तीय वर्ष 2018-19 के पर्यटन राज्य योजना अंतर्गत 55 करोड़ रुपये की विभिन्न योजना की स्वीकृति प्रदान की गयी जिसके अन्तर्गत मुख्य रूप से कोटेश्वर धाम, गया में पर्यटकीय संरचनाओं के निर्माण हेतु भू-अर्जन, पुनौराधाम, सीतामढ़ी में पर्यटकीय संरचनाओं का निर्माण, भोजपुर जिलान्तर्गत शिवपुरघाट, बीबीगंज, कायमनगर एवं बरसिंघा बुजुर्ग में वीरकुँवर सिंह विजय स्तम्भ का निर्माण, वैशाली जिलान्तर्गत बाबा गणिनाथ मंदिर, पलवैया, महनार का विकास, नालन्दा जिलान्तर्गत सरमेरा प्रखंड के परनावाँ ग्राम में प्रेक्षागृह एवं विश्राम गृह का निर्माण, नालन्दा जिलान्तर्गत बिहारशरीफ के बड़ी दरगाह में गेस्ट हाउस का निर्माण एवं पटना के पुनपुन में जाहिदपुर के पास पुनपुन नदी पर घाट का निर्माण आदि योजनाओं को शामिल किया गया।
- इंडिया टूडे समूह द्वारा बिहार, पर्यटन को हेरिटेज डेस्टिनेशन के अंतर्गत पुरस्कार प्रदान किया गया।
- ट्रेवल एण्ड टूरिज्म फेयर (टी0टी0एफ0), कोच्चि में भाग लेने के उपरांत बिहार पर्यटन को बेस्ट रूलर टूरिज्म डेस्टिनेशन के अंतर्गत पुरस्कार प्रदान किया गया।
- टुडेज ट्रेवलर पत्रिका के 11वें वार्षिक पुरस्कार समारोह में बिहार पर्यटन को बेस्ट हेरिटेज टूरिज्म डेस्टिनेशन 2017 के अंतर्गत पुरस्कार प्रदान किया गया।
- इन्टरनेशनल टूरिज्म कॉन्क्लेव एण्ड ट्रेवल अवार्ड (आई0टी0सी0टी0ए0) द्वारा आयोजित समारोह में बिहार पर्यटन को बेस्ट रुरल टूरिज्म इनिशियेटिव के अंतर्गत पुरस्कार प्रदान किया गया है।

वर्ष 2020 से अबतक

- मार्गीय सुविधाओं के उन्नयन एवं मानकीकरण हेतु प्रोत्साहन योजना-2022 तैयार किया गया है जिसके अंतर्गत अबतक प्रथम चरण में प्राप्त 17 आवेदनों में से 03 आवेदनों को प्रथम किस्त की राशि प्रदान की जा चुकी है। 01 आवेदन पर कार्रवाई की जा रही है, अन्य 13 आवेदन अस्वीकृत किये गये हैं। द्वितीय चरण में 03 आवेदन विभाग को प्राप्त हुए हैं जिसके भूमि सत्यापन की कार्रवाई की जा रही है।
- पर्यटन विभाग के अन्तर्गत राज्य मे पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु आधारभूत संरचनागत, समग्र समावेशी विकास एवं निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए **बिहार पर्यटन नीति 2023** की स्वीकृति दी गई है।

  इसकी प्रमुख विशेषताएँ विश्वस्तरीय बुनियादी ढाँचे पर केन्द्रित नीति, प्रभावशाली कार्यबल का विकास, पर्यटकीय सुरक्षा एवं पर्यटकों के विश्वस्तरीय सुविधा पर विशेष जोर, विभिन्न पर्यटन इकाईयों को पूंजीगत प्रोत्साहन, केन्द्रित पर्यटन स्थलों का विकास एवं थीम पर आधारित पर्यटकीय विकास एवं आधारभूत संरचना का निर्माण करना है।

  दिनांक 18.01.2024 को पर्यटन नीति का बुकलेट एवं कैलेण्डर का विमोचन किया गया है।
- राज्य में पाँच सितारा होटल के निर्माण की कार्रवाई की जा रही है। वर्तमान में बांकीपुर बस स्टैण्ड परिसर, पटना, होटल पाटलिपुत्र अशोक, पटना एवं सुल्तान पैलेस (परिवहन भवन), पटना में होटल निर्माण की कार्रवाई प्रस्तावित है।
- होटल के मान्यता एवं नवीनीकरण/ट्रेवल एजेंसी की मान्यता एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया को ऑनलाईन कर दिया गया है जिससे सिंगल विन्डो क्लीयरेंस के तहत मान्यता प्रदान की जा रही है। यह सुविधा लोक सेवाओं का अधिकार के वेबसाईट के साथ-साथ बिहार पर्यटन के वेबसाईट पर उपलब्ध है।
- पर्यटन व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों को बिहार कौशल मिशन योजना के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों में होटल मैनेजमेंट संस्थान हाजीपुर एवं बोधगया के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की गई है।
- स्वदेश दर्शन योजना अंतर्गत जैन परिपथ तथा मंदार हिल एंव अंग प्रदेश परिपथ का विकास कार्य पुनरीक्षित स्वीकृत राशि क्रमशः 37.19 करोड़ रु0 एवं 47.52 करोड़ रु0 से पूर्ण कर लिया गया है।
- स्वदेश दर्शन योजना अंतर्गत कांवरिया परिपथ एवं गांधी परिपथ का विकास कार्य क्रमशः 52.35 करोड़ रु0 एवं 44.65 करोड़ रु0 की स्वीकृत राशि से पूर्ण कर लिया गया है।
- प्रसाद योजना अंतर्गत मुजफ्फरपुर जिला के चामुंडा स्थान का विकास, पश्चिम चंपारण जिला के सोमेश्वर मंदिर, वाल्मीकिनगर का विकास एवं सौन्दर्यीकरण तथा कालीबाग मंदिर के पास पर्यटकीय सुविधाओं के विकास का प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को भेजा गया है।
- वित्तीय वर्ष 2022-23 में कतिपय योजनाएं पूर्ण की गई हैं जिनमें जहानाबाद जिलान्तर्गत बीबी कमाल के मकबरा का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, वाणावर में धर्मशाला का निर्माण, कटिहार जिलान्तर्गत सर्वोदय आश्रम, कुर्सेला का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, सीतामढ़ी जिलान्तर्गत पुनौराधाम में पर्यटकीय सुविधाओं का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, नवादा जिलान्तर्गत सोखोदेवरा सर्वोदय आश्रम में पर्यटकीय संरचनाओं का निर्माण, रोहतास जिलान्तर्गत सासाराम में मार्गीय सुविधा का निर्माण आदि महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल है।
- गोपालगंज जिलान्तर्गत बाबा कर्तानाथ धाम में पर्यटकीय सुविधाओं का विकास 6.92 करोड़ की लागत से किया गया है।
- पश्चिम चंपारण जिलान्तर्गत अमवा मन में वाटर स्पोर्ट्स की स्थापना की गई है तथा राज्य के कुल 06 स्थलों (दीघा घाट पटना, दिग्घी पोखर, दरभंगा, मोतीझील, मोतिहारी, ओढ़नी डैम, बांका, खड़गपुर झील, मुंगेर तथा सौरा नदी, पूर्णिया) पर योजनावार वाटर स्पोर्ट्स की स्थापना के लिए एकरारनामा किया गया है।
- पश्चिम चंपारण जिलान्तर्गत खड्डा माई स्थान, बेतिया एवं पतजीरवा माई स्थान, बेतिया का सौन्दर्यीकरण एवं विकास कार्य किया गया है।
- बक्सर जिलान्तर्गत ब्रह्मेश्वर स्थान का विकास 8.7 करोड़ रु0 की स्वीकृत राशि से तथा गया जिलान्तर्गत कोटेश्वर धाम मंदिर में पर्यटकीय सुविधाओं का विकास 7.86 करोड़ रु0 की स्वीकृत राशि से कराया गया है।

- **नालंदा जिलान्तर्गत राजगीर** में 20.19 करोड़ रु0 की लागत से तथा **बांका जिलान्तर्गत मंदार पर्वत** पर 9.19 करोड़ रु0 की लागत से **रज्जु मार्ग** का निर्माण किया गया है। अन्य 6 स्थलों यथा-गया जिलान्तर्गत ब्रह्मयोणी पर्वत पर 8.68 करोड़ रु0 की लागत से, प्रेतशिला पर्वत पर 10.49 करोड़ रु0 की लागत से एवं डूंगेश्वरी पर्वत पर 16.76 करोड़ रु0 की लागत से, जहानाबाद जिलान्तर्गत वाणावर पर्वत पर 23.92 करोड़ रु0 की लागत से, रोहतास जिलान्तर्गत रोहतासगढ़ किला में 12.65 करोड़ रु0 की लागत से रज्जु मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कैमूर जिलान्तर्गत मुंडेश्वरी पर्वत पर 7.35 करोड़ रु0 की लागत से रज्जु मार्ग निर्माण हेतु वन्य प्राणी अनापत्ति प्राप्त करने की कार्रवाई की जा रही है।
- अप्रैल, 2022 में महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र, बोधगया एवं समस्तीपुर जिलान्तर्गत बाबा केवल स्थान, मोरवा में पर्यटकीय विकास की योजनाओं का लोकार्पण किया गया।
- इको टूरिज्म अंतर्गत वाल्मीकिनगर में गेस्ट हाउस का संचालन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा किया जा रहा है तथा जहानाबाद जिला के नागार्जुन विहार होटल का संचालन भी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा किया जाना है।
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के समन्वय से राज्य के विभिन्न इको पर्यटन स्थलों को चिह्नित किया जा रहा है। इन स्थलों पर मुख्य रूप से जंगल ट्रेकिंग, नाईट कैम्पिंग, बाईसिकिल राईड, पर्वतारोहण, मोटर साईकिल राईड, कारविल राईड आदि से संबंधित कार्य किया जाएगा।
- राजगीर रज्जु पथ में आने वाले पर्यटकों के सुविधा हेतु इण्टीग्रेटेड बिल्डिंग का निर्माण, घोड़ा-कटोरा, जरासंध का अखाड़ा, गया जिलान्तर्गत गुरपा पर्वत पर पर्यटकीय विकास हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के समन्वय से कार्य किया जा रहा है।
- मुम्बई में अवस्थित विभिन्न बस क्यू शेल्टरों पर बैकलीट होर्डिंग के माध्यम से बिहार के पर्यटकीय स्थलों से संबंधित होर्डिंग/विनाईल रैपिंग के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया गया।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना में आयोजित Techno-Management Fest&Celesta 2022 एवं Annual Techno-Management Fest, 2023 कार्यक्रम हेतु बिहार पर्यटन द्वारा स्पॉन्सरशिप प्रदान किया गया। साथ ही 48वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैम्पियनशिप (महिला), चौथी जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में बिहार पर्यटन द्वारा को-स्पॉन्सरशिप एवं स्पॉन्सरशिप के रूप में भाग लिया गया।
- बिहार पर्यटन का प्रचार-प्रसार डिजिटल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी कराया जा रहा है।
- बिहार राज्य पर्यटन निगम द्वारा पटना-दर्शन, पटना-पावापुरी-ककोलत एवं पटना- नालंदा-राजगीर-पावापुरी का पैकेज टूर तैयार कर संचालित किया जा रहा है।
- **राजगीर** में 1.47 करोड़ रुपये की लागत से **ग्लास ब्रीज** का निर्माण कराया गया है। आज यह ग्लास ब्रीज राजगीर आनेवाले पर्यटकों के आकर्षण का एक प्रमुख केन्द्र है।
- पर्यटन विभाग के तहत गया जिलान्तर्गत विष्णुपद मंदिर में पाथवे-सह-शेड भवन, संरचना एवं मंदिर के लिए अल्टरनेटिव एप्रोच पथ एवं बस डिपो के निर्माण हेतु प्राक्कलित राशि 61.97 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।
- वर्तमान में पर्यटन विभाग द्वारा छोटे-बड़े 50 पर्यटन केंद्रो का सर्वे पर्यटन सूचना केंद्र के प्रभारियों के माध्यम से कराया जा रहा है। इसमें ऐतिहासिक से लेकर धार्मिक पर्यटन केंद्र शामिल हैं। इस सर्वे का उद्देश्य पर्यटन केंद्रों पर शौचालय, पेयजल, सफाई, सुरक्षा, खान-पान आदि की व्यवस्था के बारे में जानना है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर पर्यटन केंद्रों के विकास का रोड मैप बनाया जाएगा।
- पटना जिलान्तर्गत पटना साहिब में स्थित बहुद्देशीय प्रकाश पुंज का निर्माण एवं उद्यान का विकास कार्य 61 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से कराया गया है। बहुद्देशीय प्रकाश पुंज के पास अवस्थित तालाब का सौन्दर्यीकरण, चारों तरफ सड़क का निर्माण एवं परिसर में वानिकी का कार्य 12.13 करोड़ रु0 की स्वीकृत राशि से कराया जा रहा है। इस स्थल पर वाच टावर का निर्माण 5.93 करोड़ रु0 की स्वीकृत राशि से कराया जाना है।
- पटना जिलान्तर्गत पटना साहिब में स्थित बहुद्देशीय प्रकाश पुंज पर्यटन स्थल में आर्टवर्क एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य 13.65 करोड़ रु0 की स्वीकृत राशि से कराया गया, जिसका लोकार्पण दिनांक 21.12.2022 को किया गया।
- देश-विदेश से पटना साहिब आनेवाले श्रद्धालुओं के आवासन की सुविधा हेतु एवं शेष समय में सामुदायिक केन्द्र के रूप में उपयोग के लिए पटना सिटी के मालसलामी में प्रसिद्ध व्यवसायी एवं समाजसेवी स्वर्गीय ओ0पी0साह के नाम पर ओ0पी0साह सामुदायिक भवन का निर्माण 95 करोड़ की लागत से किया गया जिसका लोकार्पण दिसम्बर, 2022 में किया गया। इस छः मंजिले भूकंपरोधी भवन में विवाह भवन के साथ-साथ 2200 व्यक्तियों के आवासन की व्यवस्था है। इस सामुदायिक भवन के बन जाने से यहाँ आनेवाले पर्यटकों/श्रद्धालुओं को बहुत सुविधा हुई है।
- पटना के जनार्दन घाट (दीघा) से कंगन घाट (पटना सिटी) के बीच तथा भागलपुर में कहलगाँव, सुलतानगंज एवं बटेश्वर स्थान होते हुए विक्रमशिला (डॉल्फिन सेन्चुरी) के बीच अक्टूबर 2023 से 300-300 पर्यटक क्षमता वाले जलयान (रोपैक्स वेसेल) का परिचालन किया जा रहा है।
- जापान में जाटा (जापान एसोसिएषन ऑफ ट्रेवल एजेंट) द्वारा 26-29 अक्टूबर, 2023 को आयोजित इवेंट में बिहार पर्यटन द्वारा हिस्सा लिया गया।
- लंदन में World Travel Market द्वारा 06-08 नवम्बर, 2023 को आयोजित इवेंट में बिहार पर्यटन द्वारा हिस्सा लिया गया।
- दिनांक 13.01.2024 को पर्यटन विभाग, बिहार की ओर से वाराणसी में रोड शो का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यटन स्थलों, विभाग की नीतियों और कार्यक्रमों की विशेषताएँ बतायी गयी। आयोजित समारोह में ट्रेवल एजेंट, टूर ऑपरेटर, होटल कारोबारी, रिवर क्रूज ऑपरेटर, ब्लॉगर शामिल हुए।

Nov. 2024

Design & Printed by Shiva Enterprises, Patna # 9308286684

बिहार सरकार

BIHAR TOURISM
Blissful Bihar

पर्यटन विभाग
बिहार सरकार

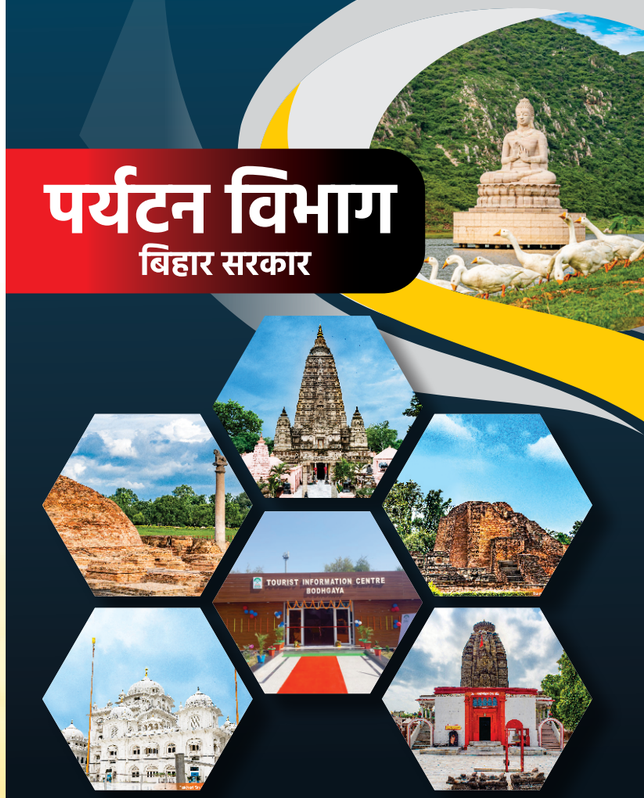

पर्यटन विभाग
तथा
सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग
बिहार सरकार

बाल विवाह एवं दहेज से संबंधित सूचना टॉल फ्री नं. 181 पर दें।

बेटा-बेटी एक समान। दहेज-प्रथा करे सबका अपमान ।।

भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत 0612-2217048 पर करें।

पर्यटन

वर्ष 2005 में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में सरकार गठन के पश्चात बिहार में विकास के काफी व्यापक और वृहद् कार्य किए गए हैं। बिहार की तरक्की के लिए राज्य सरकार द्वारा निरंतर काम किया जा रहा है। आज इन प्रयासों के परिणाम भी लोगों के सामने हैं। बिहार में एक बेहतर माहौल तैयार हुआ है। बिहार को लोग अब उसी पुराने गौरव और सम्मान की दृष्टि से देखते हैं, जो गरिमा वर्षों पहले राज्य से जुड़ी रही है।

बिहार 'ज्ञान' एवं 'मोक्ष' की धरती है। यहां की धरती से विभिन्न धर्मों की गाथाएं जुड़ी हैं। यह अनेक महापुरुषों की जन्मभूमि और कर्मभूमि रही है। बिहार की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से बिहार में कई दर्शनीय स्थल अवस्थित तो हैं ही, इसके अलावे प्राकृतिे से जुड़े भी कई अद्भुत और दर्शनीय स्थल हैं, जहां भ्रमण कर लोगों को आनंद का अनुभव होगा।

बिहार विविधताओं से भरा है। बिहार की इस विशेषता को समझते हुए राज्य सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने का कार्य पूरी प्रतिबद्धता से किया जा रहा है। बिहार की विरासत से पर्यटकों को अवगत कराने हेतु राज्य में विभिन्न पर्यटन संबंधी योजनाएं संचालित हैं। चूंकि पर्यटन राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सौहार्द्र कायम करने का महत्वपूर्ण साधन है एवं आर्थिक संवृद्धि तथा रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, इसलिए राज्य में विभिन्न पर्यटकीय स्थलों का विकास किया गया है। साथ ही विभिन्न परिपथों का भी विकास किया जा रहा है। इनमें जैन परिपथ, कांवरिया परिपथ, गांधी परिपथ, मंदार एवं अंग परिपथ तथा गुरु परिपथ का विकास कार्य पूरा कर लिया गया है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पर्यटन का प्रक्षेत्र एक लाभदायक उद्योग के रूप में स्थापित हो चुका है। राज्य में ईको-टूरिज्म के विकास की असीम संभावनाएं हैं। पर्यटन विभाग और पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के समन्वय से राज्य के विभिन्न ईको पर्यटन स्थलों को चिह्नित कर विकसित किया जा रहा है। पर्यटन के अंतर्गत आवास परियोजनाओं, स्वाद उन्मुखी परियोजनाओं, मनोरंजन पार्कों एवं जलक्रीड़ाओं तथा परिवहन इत्यादि के क्षेत्र में निवेश से रोजगार सृजन की वृहद् संभावनाएं हैं। राज्य सरकार पर्यटन के क्षेत्र में निवेश हेतु उद्यमियों को भी प्रोत्साहित कर रही है।

राज्य के समृद्ध विरासत स्थलों को चिह्नित कर उन्हें विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा किये गये प्रयास का यह सुखद परिणाम है कि बिहार में देशी पर्यटकों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है वर्ष 2005 में राज्य में देषी पर्यटकों की संख्या 68.81 लाख तथा विदेषी पर्यटकों की संख्या 63 हजार थी जो बढ़कर 2023 में क्रमषः 6.71 करोड़ तथा 3.63 लाख हो गई।

वर्ष 2005 से 2010

- वैशाली, राजगीर, नालंदा और बोधगया स्थानों में बौद्ध परिपथ का विकास का कार्य प्रारंभ किया गया, जिससे इन स्थानों पर अवस्थित पर्यटन निगम की परिसम्पतियों का उन्नयन हुआ तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई।
- वर्ष 2007 में बौद्ध पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु **"गंगा मेकांग सहयोग"** अंतर्गत पांच देशों के पर्यटकों (लाओस, कम्बोडिया, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम) द्वारा विशेष चार्टर फ्लाईट से पटना, नालंदा एवं बोधगया का परिभ्रमण किया गया।
- वर्ष 2008 में गंगा नदी में जल पर्यटन हेतु मोटरबोट सेवा का संचालन प्रारम्भ किया गया।
- नवम्बर 2008 में 48 सीटर फ्लोटिंग रेस्तरां के संचालन हेतु जेटी गैंगवे की स्थापना गांधी घाट, पटना में की गई, जो पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा। पुनः बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के द्वारा **लोक निजी भागीदारी** अंतर्गत गंगा रिवर क्रूज से विदेशी पर्यटकों के दल को वर्ष 2009 में पहली बार जलमार्ग द्वारा बटेश्वर स्थान से बक्सर तक परिभ्रमण एवं बिहार के प्रमुख पर्यटक स्थलों का परिदर्शन कराया गया।
- वर्ष 2008 में पर्यटन विभाग द्वारा पहली बार राज्य में आयोजित होने वाले **मेला-महोत्सवों** के लिए, तिथिवार कैलेण्डर बनाया गया तथा मीडिया एवं मार्केटिंग प्लान-2008 बनाया गया।
- वर्ष 2008 में नव नालन्दा महाविहार सांस्कृतिक ग्राम के निर्माण हेतु 11.94 एकड़ भूमि तथा वैशाली में पर्यटकीय सुविधाओं के विकास हेतु 10.50 एकड़ भूमि अर्जित की गई।
- वर्ष 2008 में पर्यटकों को विशेष जानकारी प्रदान करने हेतु **टूरिज्म डायरेक्टरी** का मुद्रण कराया गया।
- **"बिहार पर्यटन नीति, 2009"** को अधिसूचित किया गया।
- वर्ष 2010 में पर्यटकों की सुरक्षा एवं मैत्रीपूर्ण सेवा के लिये **'पर्यटन सुरक्षा बल'** के गठन का निर्णय लिया गया।
- वर्ष 2010 में **होटल प्रबन्धन संस्थान**, बोधगया एवं **फूड क्राफ्ट इंस्टिच्यूट**, मुजफ्फरपुर की स्थापना की स्वीकृति दी गयी तथा बोधगया में शैक्षणिक सत्र प्रारंभ किया गया।
- वर्ष 2010 में राष्ट्रीय डिजाईनिंग संस्थान, अहमदाबाद द्वारा निर्मित बिहार पर्यटन का नया लोगो तथा नया टैगलाईन "Blissful Bihar" लागू किया गया।
- वर्ष 2010 में राज्य के पुरातात्विक स्थलों- **केसरिया, मनेरशरीफ, रोहतास एवं शेरशाह के मकबरा** के विकास हेतु भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ एकरारनामा किया गया।
- फरवरी, 2010 में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर नालन्दा में **"बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव"** का आयोजन किया गया।
- वर्ष 2010 में पटना एयरपोर्ट पर Pre-paid टैक्सी सेवा प्रारंभ की गई।
- बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा पर्यटकों की सुविधा हेतु बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के साथ मिलकर आरामदायक वाहनों एवं लग्जरी बसों का परिचालन प्रारम्भ किया गया।

वर्ष 2010 से 2015

- सीवान जिलान्तर्गत **बाबा महेन्द्रनाथ मंदिर** के पास पोखर को पर्यटकीय स्थल के रूप में तथा नालन्दा जिलान्तर्गत **पाण्डु पोखर**, **राजगीर** में पर्यटकीय सुविधाओं के विकास एवं सौन्दर्यीकरण की महत्त्वपूर्ण योजनाएँ स्वीकृत की गईं।
- पटना में अवस्थित ऐतिहासिक महत्त्व के तीन भवनों-श्री कृष्ण मेमोरियल, दरभंगा हाऊस एवं जजेज कोर्ट को एल0ई0डी0 लाईट से प्रकाशित करने हेतु कार्यवाई की गई।
- वर्ष 2011 में पर्यटकों को सुविधा और सुरक्षा प्रदान करने हेतु राज्य के निजी होटलों का सूचीकरण कर उनका विभागीय वेबसाईट पर प्रकाशन कराया गया।
- वर्ष 2011 में बिहार के पर्यटकीय संरचनाओं एवं धरोहरों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित करने के निमित्त **मेला-महोत्सवों** के आयोजन हेतु **कैलेण्डर** का निर्धारण किया गया।
- मुम्बई में महानगर टेलिफोन नगर लि0 के कुर्ला स्थित भवन में 2000 वर्गफीट जमीन किराये पर लेकर बिहार पर्यटन सूचना केन्द्र एवं बिहार फाउन्डेशन का कार्यालय खोलने की स्वीकृति दी गई।
- वर्ष 2012 में राज्य के तीन महत्त्वपूर्ण पर्यटक स्थलों- **पटना का गोलघर, वैशाली का अभिषेक पुष्करणी एवं बोधगया के मायासरोवर** में साउण्ड एवं लाईट लेजर शो हेतु संरचना निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया।

  वर्तमान में गोलघर परिसर में प्रत्येक दिन (सोमवार को छोड़कर) संध्या में साउण्ड एवं लाईट लेजर शो का कार्यक्रम संचालित किया जाता है। यह गोलघर की अपनी पहचान एवं विरासत को बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया जाता है। बड़ी संख्या में पर्यटकों द्वारा इसका आनन्द उठाया जाता है।
- वर्ष 2012 में पटना के अलावा **श्रावणी मेला के अवसर पर सुल्तानगंज, मलमास मेला के अवसर पर राजगीर** के वैतरणी एवं सरस्वती नदी के तट पर गंगा आरती प्रारंभ की गई तथा **पितृपक्ष के अवसर पर बोधगया** के फल्गु नदी पर गंगा आरती के आयोजन का निर्णय लिया गया।
- वर्ष 2012 में **लोक निजी भागीदारी** (PPP) के माध्यम से पटना के गंगा नदी अवस्थित गाँधी घाट एवं महेन्द्रू घाट पर जेट स्की एवं स्पीड बोट का संचालन प्रारंभ किया गया।
- वर्ष 2012 में **लोक निजी भागीदारी** के माध्यम से पटना-वैशाली-केसरिया-थावे- कुशीनगर-गोरखपुर रूट में वातानुकूलित वॉल्वो बस का परिचालन प्रारंभ किया गया।
- **लोक निजी भागीदारी (PPP)** के अन्तर्गत पाण्डव क्रूज कम्पनी के साथ गंगा नदी में 15 दिनों के क्रूज का संचालन किया गया।
- **कॉटेज इण्डस्ट्रीज इम्पोरियम, नई दिल्ली** के साथ पटना, बोधगया तथा राजगीर में आउटलेट खोलने हेतु एकरारनामा किया गया।
- वर्ष 2013 में राज्य के विभिन्न **पर्यटक परिपथों** पर अवस्थित स्थलों के चहुँमुखी चरणबद्ध विकास हेतु परिपथवार कार्यान्वयन एवं स्वीकृति दी गई। **सूफी सर्किट** में अवस्थित पर्यटक स्थलों के विकास हेतु लगभग 10 करोड़ की योजना कार्यान्वित की गई। साथ ही **सूफी, जैन, शक्ति एवं बुद्ध सर्किट** में मार्गीय सुविधाओं के विकास हेतु 32 करोड़ की योजना तथा **बौद्ध परिपथ** के अन्तर्गत नालन्दा पर्यटन धरोहर योजना के तहत 22 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत की गई। घोड़ा कटोरा, राजगीर के विकास हेतु 48.71 करोड़ रु0 की योजना स्वीकृत की गई।
- वर्ष 2013 में सभी पर्यटक स्थलों पर गाईड्स की यथेष्ट संख्या में व्यवस्था की गई। पर्यटकों के मार्गदर्शन हेतु राज्य के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर 120 गाईड प्रशिक्षणोपरान्त प्रतिनियुक्त किए गए।
- वर्ष 2013 में घरेलू पर्यटकों की संख्या 2.16 करोड़ रही, जबकि 7.66 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ। वर्ष 2013 में शीर्ष दस राज्यों में आये कुल विदेशी पर्यटकों में से 5 प्रतिशत का योगदान दर्ज कर बिहार शीर्ष दस राज्यों की सूची में सातवें स्थान पर रहा।
- वर्ष 2014 में बिहार के महत्त्वपूर्ण पर्यटक स्थलों के 360 डिग्री virtual tour सुविधायुक्त अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के वेबसाईट www.bihartourism.gov.in का शुभारंभ किया गया।
- बिहार पर्यटन को वर्ष 2014 में सी0एन0बी0सी0 आवाज ट्रेवल एवार्ड-नालन्दा, बेस्ट मैनेज्ड हिस्टोरिकल मोनूमेंट, वर्ष 2014 में सफारी इन्डिया साउथ इन्डिया ट्रेवल एवार्ड-बिहार, बेस्ट स्टेट फॉर बुद्धिस्ट टूरिज्म एवं वर्ष 2014 में ट्रूडेज ट्रैवलर एवार्ड (Domestic Tourism)-बेस्ट हेरिटेज टूरिज्म डेस्टिनेशन आदि पुरस्कार प्राप्त हुए।
- वर्ष 2014 में मुचलिंद सरोवर, गया के पास 1.52 एकड़ सरकारी जमीन पर्यटन विभाग को हस्तांतरित किया गया तथा सुजाता कुटीर, बकरौर एवं मुचलिंद सरोवर, गया के पास पर्यटकीय सुविधाओं के विकास हेतु भू-अर्जन किया गया। सुजाता कुटीर, बकरौर के पास पर्यटकीय सुविधाओं के विकास हेतु योजना भी स्वीकृत की गई।
- वर्ष 2014 में **सूफी परिपथ** के अन्तर्गत खानकाह मुजिबिया, फुलवारीशरीफ एवं बिहारशरीफ के खानकाह मुअज्जम पुस्तकालय-सह-शोध संस्थान तथा हुजरे की सौन्दर्यीकरण की योजना पूर्ण की गई। खानकाह मुनिमिया, मितनघाट, पटनासिटी तथा खानकाह अलिया मनेरशरीफ, काको में बीबी कमाल का मकबरा (जहानाबाद), राजगीर स्थित मखदुमपुर एवं विथोशरीफ, गया में पर्यटकीय सुविधाओं से संबंधित स्वीकृत योजनाओं का कार्य कराया गया।
- शक्ति परिपथ के अन्तर्गत कालीघाट, पटना के विकास एवं सौन्दर्यीकरण की योजना पूर्ण की गई। साथ ही लक्षमेश्वर विला पैलेस के तालाब का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, श्यामाकाली मंदिर का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, उग्रतारा स्थान, महिषी का विकास एवं सौन्दर्यीकरण तथा बाबा महेन्द्रनाथ मंदिर, सीवान के विकास का कार्य कराया गया।
- बिहार के पर्यटक स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु देश के विभिन्न शहरों यथा- दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, चेन्नई, विशाखापट्नम, हैदराबाद, सूरत, सिलांग एवं गुवाहाटी आदि शहरों में आयोजित होने वाले विभिन्न पर्यटन प्रदर्शनियों/ट्रेड फेयर/रोड शो में सहभागिता की गयी।
- बिहार के पर्यटक स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु विदेशों के विभिन्न शहरों यथा-2012 में लंदन में आयोजित WTM, 2012 में मॉरिशस में रोड शो, 2007 एवं 2015 में आई0टी0बी0 बर्लिन एवं 2013 में बैंकाक में भारतीय सप्ताह आदि आयोजित होने वाले विभिन्न पर्यटन प्रदर्शनियों/ट्रेड फेयर/रोड शो में भी भाग लिया गया।
- भारत के प्रमुख विमानपत्तनों एवं दिल्ली मेट्रो रेल के माध्यम से बिहार के पर्यटक स्थलों का प्रचार किया गया।
- बोधगया में अंतर्राष्ट्रीय **बौद्ध कॉन्क्लेव 2014** का आयोजन किया गया जिसमें 31 देशों से धर्म गुरुओं सहित डेलिगेट्स ने भाग लिया।
- परिपथवार पर्यटन परियोजनाओं के तहत वर्ष 2006 से 2015 तक **बौद्ध परिपथ** की 42, **जैन परिपथ** की 04, **रामायण परिपथ** की 03, **सूफी परिपथ** की 04 एवं **विविध परिपथ** की 57 सहित कुल 110 योजनाएँ पूर्ण की गई।
- वर्ष 2005 से 2015 तक भागलपुर जिलान्तर्गत **अंतीचक विक्रमशिला** के विकास हेतु 9.83 एकड़ तथा सहरसा जिलान्तर्गत **मत्स्यगंधा जलाशय**, सहरसा को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने हेतु 22.36 एकड़ भू-अर्जन किया गया।

वर्ष 2005 से 2015 तक कई महत्वपूर्ण योजनाएँ पूर्ण की गई, जिसमें मुख्य हैं ।

- पटना जिलान्तर्गत महेन्द्रू घाट, काली घाट, कलेक्ट्रीयट घाट, कंगन घाट, फतेहपुर के नजदीक पुनपुन नदी में घाट का विकास, मंगल तालाब पटनासिटी में विभिन्न पर्यटकीय सुविधाओं का विकास, पितृपक्ष मेला स्थल पुनपुन, पटना में हाई मास्ट लाईट का अधिष्ठापन।
- नालन्दा जिलान्तर्गत पाण्डु पोखर, राजगीर में पर्यटकीय सुविधाओं का विकास, राजगीर कुण्ड के पास स्पॉ रिट्रीट पर्यटकीय सुविधाओं का विकास, नव नालन्दा महाविहार के पास सांस्कृतिक ग्राम के निर्माण हेतु फेज-1 एवं 2 के तहत विकास।
- गया जिलान्तर्गत नोड-1, नोड-2 एंव बोधगया घाट का विकास, पर्यटन कॉम्पलेक्स विष्णु विहार, गया का विकास, तपोवन में पर्यटकीय सुविधा का विकास, माया सरोवर, बोधगया का विकास, अशोक अतिथि निवास, गया का विकास।
- जहानाबाद जिलान्तर्गत बराबर पहाड़ एवं परिसर का विकास, मार्गीय सुविधा का विकास।
- पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत अरेराज में पर्यटन कॉम्पलेक्स का निर्माण।
- वैशाली जिलान्तर्गत विश्वशान्ति स्तूप, वैशाली का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, होटल आम्रपाली विहार, युथ हॉस्टल एवं कैफेटेरिया, वैशाली के जीर्णोद्धार, द्वितीय चरण अंतर्गत वैशाली में पर्यटन कॉम्पलेक्स का निर्माण, अभिषेक पुष्करणी, वैशाली का विकास।
- बांका जिलान्तर्गत मंदार पर्वत का समग्र विकास ।

वर्ष 2015 से 2020

- दिसम्बर 2015 से 15 सितम्बर 2016 तक **कई महत्वपूर्ण योजनाएँ पूर्ण की गई, जिसमें मुख्य हैं**
- नालन्दा जिलान्तर्गत राजगीर स्थित ब्रह्मकुण्ड एवं मखदुमकुण्ड का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, राजगीर में होटल अजातशत्रु के अतिरिक्त कमरों का निर्माण।
- सीतामढ़ी जिलान्तर्गत पंथ पाकर प्रवचन हॉल का निर्माण, पुनौराधाम में खुले प्रवचन हॉल का निर्माण, होटल जानकी विहार, सीतामढ़ी का नवनिर्माण।
- सुपौल जिलान्तर्गत वीरपुर में मार्गीय सुविधा होटल वीर विहार का निर्माण।
- सिंघेश्वर स्थान, मधेपुरा का विकास एवं सौन्दर्यीकरण।
- 'उग्रतारा स्थान, महिषि, सहरसा का विकास एवं सौन्दर्यीकरण।
- गांधी आश्रम, तुरकौलिया, पश्चिम चम्पारण का विकास एवं सौन्दर्यीकरण।
- पटना जिलान्तर्गत फतुहा कबीर पीठ में पर्यटन भवन का निर्माण एवं गोलघर, पटना का सौन्दर्यीकरण।
- गया जिलान्तर्गत बैजूधाम, गया में शिव मंदिर का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, बोधगया में नोड-1 हाई मास्ट लाईट का अधिष्ठापन, होटल बुद्ध विहार, बोधगया का निर्माण, गुरुआ में भूरहा का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, बोधगया स्थित माया सरोवर में चहारदीवारी का निर्माण।
- भोजपुर जिलान्तर्गत वीर कुंवर सिंह जन्मस्थली जगदीशपुर में पर्यटकीय सुविधाओं का विकास।
- बक्सर जिलान्तर्गत कथकौली लड़ाई मैदान तक पहुंच पथ का विकास।
- मधुबनी जिलान्तर्गत लक्ष्मीनाथ गोसाई मंदिर का विकास, तपेश्वरनाथ मंदिर का विकास।
- बाँका जिलान्तर्गत लबोखर धाम मंदिर एवं जेठीरनाथ मंदिर का विकास एवं सौन्दर्यीकरण।
- **22-24 सितम्बर, 2016 तक अंतर्राष्ट्रीय सिख कॉन्क्लेव का सफलतापूर्वक** आयोजन किया गया। इसमें देश-विदेश के ख्याति प्राप्त प्रतिष्ठित महानुभावों द्वारा भाग लिया गया।
- पंचवर्षीय पर्यटन रोड मैप का निर्माण किया गया जिसका उद्देश्य राज्य में नये पर्यटन स्थलों को चिह्नित कर उनका विकास करना, पूर्व से महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का संसाधन की कमी को चिह्नित कर उसका विकास करना, प्रचार-प्रसार के महत्वपूर्ण तकनीकों का प्रयोग करना एवं राज्य के स्थायी एवं समावेशी विकास में पर्यटन के योगदान को सुनिश्चित करना रहा।

इसके अंतर्गत राज्य के महत्वपूर्ण परिपथों बौद्ध, रामायण, जैन, सूफी, शिवशक्ति, गुरु, इको, हेरिटेज परिपथों के विकास को सम्मिलित किया गया। साथ ही रोपवे परियोजना, राजगीर एवं मंदार को पूर्ण करना एवं अन्य स्वीकृत रोपवे परियोजना- रोहतास किला, डूंगेश्वरी पर्वत, ब्रह्मयोनी पर्वत, प्रेतशिला पर्वत गया, मुण्डेश्वरी पर्वत कैमूर, वाणावर पर्वत जहानाबाद की स्थापना एवं निर्माण को भी सम्मिलित किया गया। 05 जांच चैकियों कर्मनाशा (कैमूर), डोभी (गया), रजौली (नवादा), जलालपुर (गोपालगंज), दालकोल (पूर्णिया) में पर्यटकीय दृष्टिकोण से मोटल/ढ़ाबा का निर्माण का प्रावधान भी सम्मिलित किया गया।

- वर्ष 2018 में इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ ट्रेवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आई0आई0टी0 टी0एम0), बोधगया की स्थापना की गई।
- बौद्ध गया में कल्चरल सेंटर के निर्माण हेतु 145.14 करोड़ रु0 की योजना की स्वीकृति प्रदान की गई।
- गुरु परिपथ अंतर्गत बिहार में अवस्थित सिख गुरुओं के जीवन से संबंधित कई स्थलों यथा-पटना साहिब, दानापुर, कटिहार, राजगीर, सासाराम, मुंगेर, रजौली, भागलपुर, गया, नालंदा एवं मोतिहारी में स्थलों को चिह्नित किया गया एवं आवश्यक पर्यटकीय संरचनाओं का विकास किया गया।
- गुरुद्वारा लक्ष्मीपुर, कटिहार में पर्यटकीय संरचनाओं एवं सीमेन्ट कॉन्क्रीट पथ का निर्माण, रोहतास जिलान्तर्गत सासाराम में ऐतिहासिक गुरुद्वारा चाचा फग्गुमल एवं टकसाल साहेब गुरुद्वारा के पास कम्यूनिटी हॉल, पी.सी.सी. पथ आदि का निर्माण, गुरु नानक कुण्ड, शीतल कुण्ड, राजगीर में पर्यटकीय विकास, पटना जिलान्तर्गत दानापुर में गुरुद्वारा हांडी साहब एवं नारियल घाट के पास पर्यटकीय संरचनाओं का निर्माण किया गया।
- सिक्ख हेरिटेज एण्ड रिसर्च सेन्टर फेज-2 अंतर्गत एलिवेटर्स वातानुकूलित यंत्र, स्थल विकास, लैण्ड स्केपिंग, चहारदीवारी का कार्य किया गया।
- प्रकाश पर्व के अवसर पर पटना साहिब का चतुर्दिक विकास किया गया। दर्शकों के ज्ञानवर्द्धन हेतु मंगल तालाब में लेजर शो का कार्यक्रम संचालित कर श्री गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज के संबंध में अवगत कराया गया।
- स्वदेश दर्शन योजना अन्तर्गत बिहार के जैन परिपथ के विकास हेतु 52.56 करोड़ रु0 स्वीकृत की गई। इसके अंतर्गत जैन समुदाय से जुड़े पावापुरी, नांलदा, जमुई, आरा, वैशाली इत्यादि स्थलों पर पर्यटकीय सुविधाओं का विकास किया गया।
- स्वदेश दर्शन योजना अन्तर्गत कांवरिया परिपथ के विकास हेतु 52.36 करोड़ रु0 स्वीकृत की गई। इसके अंतर्गत कांवरियों के सुगम यात्रा हेतु कांवरिया पथ पर रेल सेंटर, मार्गीय सुविधा, जनसुविधा एवं 250 मीटर के अंतराल पर बेंच एवं कांवर स्टैण्ड लगाने का कार्य किया गया।
- स्वदेश दर्शन योजना अन्तर्गत मंदार हिल एवं अंग प्रदेश परिपथ के विकास हेतु 53.49 करोड़ रु0 की राशि स्वीकृत की गई। मंदार हिल एवं अंग प्रदेश परिपथ अंतर्गत बांका जिला के पापहरणी लेक, आकाश गंगा, अंवतिका नाथ मंदिर, भीम बांध के पास, जिला के चंडिका स्थान आदि स्थलों पर पर्यटकीय सुविधाओं के विकास का कार्य किया गया।
- स्वदेश दर्शन योजना अन्तर्गत गाँधी परिपथ के विकास हेतु 44.65 करोड़ रु0 की राशि स्वीकृत की गई। इसके अंतर्गत भितीहरवा पथ, चंपारण में थीम पार्क एवं मल्टी हॉल, चंद्रहिया पूर्वी चंपारण में थीम पार्क एवं तुरकौलिया में जनसुविधा आदि पर्यटकीय सुविधा का निर्माण किया गया।
- बौद्ध परिपथ के विकास के अंतर्गत केसरिया स्तूप का विकास कार्य 6.89 करोड़ रुपये की स्वीकृत राषि से किया गया। पत्थरकट्टी, गया में 5 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटकीय संरचनाओं को विकसित किया गया।
- मुचलिंद सरोवर के पास भू-अर्जन प्राप्त भूमि पर पर्यटकीय सुविधाओं के विकास हेतु 24 लाख रूपये की योजना स्वीकृत की गयी।
- इको टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु वाल्मीकि नगर, मुंगेर, रोहतास, कैमूर, नवादा इत्यादि स्थलों पर पर्यटकीय सुविधाओं का निर्माण किया गया तथा कलोलत जल प्रपात, नवादा के विकास हेतु 5.71 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई।
- वाल्मीकिनगर व्याघ्र रिजर्व में वाल्मीकि विहार होटल का जीर्णोद्धार एवं उन्नयन कार्य 1.44 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण की गयी। इसके संचालन का दायित्व पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को दिया गया।
- नालन्दा जिलान्तर्गत घोड़ा-कटोरा में समग्र विकास के लिए 48.41 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि से 50 फीट ऊँची भगवान बुद्ध की मूर्ति का अधिष्ठापन किया गया। इसके अंतर्गत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा इको रेस्टोरेशन का कार्य किया गया।
- वर्ष 2016 में बोधगया स्थित मायासरोवर परिसर में बागवानी, सरोवर के तट पर Slope का कार्य, High Mast लगाने का कार्य एवं चहारदीवारी निर्माण का कार्य पूर्ण किया गया। परिसर सरोवर में बोट का संचालन तथा परिसर में Mural चित्रकारी का कार्य भी कराया गया।

  बोधगया के मायासरोवर में प्रत्येक शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। जिसमें जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय कलाकारों को विशेष सुविधा प्रदान की जाती है।
- गांधी घाट पटना में प्रतिदिन पर्यटकों के मनोरंजन के लिए बोट का परिचालन किया गया। इसके अतिरिक्त एक खुला जहाज एम कौटिल्या विहार का परिचालन माह जून 2016 से आरंभ किया गया।
- वर्ष 2016 में राजगीर महोत्सव अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों की लोकपरम्पराओं/कलाओं इत्यादि का प्रदर्शन सांस्कृतिक ग्राम के माध्यम से किया गया।
- वर्ष 2017 एवं 2018 में राजगीर महोत्सव के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गयी।